बी. ए. प्रथम वर्ष प्राकृत साहित्य
2007–2008

द्वितीय प्रश्न पत्र
प्राकृत कथा एवं चरित

100 अंक

(क) प्राकृत कथा

इकाई एक – **20 अंक**

1. आरामसोहाकहा (संघ तिलकगणि), सम्पा. – डॉ. राजाराम जैन (गाथा–21 तक के गधांश अनुच्छेद 1 से 44 तक)

इकाई दो – **20 अंक**

1. चोपन्नमहापुरिसवरियं (सीलंकाचार्य) में से मुणिचंदकहाणयं (1 से 20 पैराग्राफ), सम्पा. डॉ. के. आर. चन्द्रा, अहमदाबाद

(ख) प्राकृत चरित

इकाई तीन – **20 अंक**

1. कुम्मापुत्तचरियं (अनंतहंस) सम्पा. के. बी. अभ्यंकर (गाथा 1 से 112) चार गाथाएं पूछना।

इकाई चार – **20 अंक**

प्राकृत साहित्य एवं लोक कथा –

1. (कथा एवं चरित साहित्य का संक्षिप्त परिचय एवं सामान्य प्रश्न

2. लोककथा – अगडदत्तचरियं (देवेन्द्रगणि), सम्पा. डॉ. राजाराम जैन (गाथा 1–60 तक)

इकाई पॉच – पठित ग्रन्थों की समीक्षा **20 अंक**

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित ग्रन्थों की विषयवस्तु, विशेषताओं, चरित्र–चित्रण एवं कवि आदि पर सामान्य प्रश्न।

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
2. आरामसोहाकहा – सम्पा. राजाराम जैन, आरा, 1989
3. अगडदत्तचरियं – सम्पा. राजाराम जैन, आरा
4. मुणिचन्दकहाणयं – सम्पा. डॉ. के. आर. चन्द्रा, प्र.– भारत प्रकाशन, अहमदाबाद
5. प्राकृत भारती – आगम संस्थान, उदयपुर, 1991